Roll No. : ..... Total Pages : 6

4604

M.A. (Previous) Examination, 2016

राजस्थानी साहित्य

Paper–IV

(Rajasthani Sahitya Ka Itihas Aur Lok Sahitya)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड-अ [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-ब [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-स [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

इकाई–I

(i) 'ढोला मारु रा दूहा' किस कवि द्वारा तथा कब लिखा गया था ?

(ii) दौलतविजय का वास्तविक नाम क्या है ? इनके द्वारा लिखित किसी **एक** प्रसिद्ध ग्रन्थ का नाम बताइए।

इकाई–II

(iii) संत हरिव्यास के शिष्य परशुराम जी की काव्यभाषा बताइए। इन पर कौन-कौन सी परम्पराओं का प्रभाव था?

(iv) बाँकीदास ने नीति-उपदेश विषयक अपनी कविताओं में किस प्रकार के व्यक्तियों व लक्षणों का उल्लेख किया है ?

इकाई–III

(v) 'केसरविलास' और 'बुढ़ापा की सगाई' के लेखक एवं इसमें प्रयुक्त विधा का नाम बताइए।

(vi) चन्द्रसिंह बी.ए. बिकरालो (बीकानेर) को नागरी-प्रचारिणी सभा, काशी की ओर से किस एक पुस्तक पर कौन-सा पुरस्कार एवं पदक दिया गया था ?

इकाई–IV

(vii) 'लोक' शब्द के व्युत्पत्यर्थ को स्पष्ट कीजिए।

(viii) डॉ० सत्येन्द्र के 'लोक-कथा' की व्यापकता के सम्बन्ध में क्या विचार हैं ? व्यक्त करें।

इकाई–V

(ix) लोकनाट्य में कौशल-त्रय पर अधिक बल दिया जाता है। इनके नाम तथा महत्त्व पर प्रकाश डालें।

(x) डॉ. पिताम्बरदत्त बड़थ्वाल के लोकोक्ति सम्बन्धी विचार व्यक्त करें।

खण्ड-ब

इकाई–I

2. कवि बिहारीलाल द्वारा रचित 'बिहारी सतसई' हिन्दी साहित्य की स्थायी सम्पत्ति और काव्यकला का उत्कृष्ट नमूना है। कैसे ? विस्तार से लिखिए।

3. 'हरिरस' और 'हाला झाला रा कुंडलिया' ईसरदास रचित सर्वश्रेष्ठ रचनाएँ हैं। इनके प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

इकाई–II

4. नागरीदास का परिचय देते हुए सिद्ध कीजिए कि 'नागर–समुच्चय' में वृन्दावन के प्रति इनकी अखण्ड भक्ति टपकती है।

5. मुहणोत नैणसी का 'मूता नैणसी री ख्यात' एवं 'जोधपुर राज्य का गजेटियर' दोनों ग्रन्थ इतिहास के अमूल्य रत्न और अपने महत्त्व के कारण अप्रतिम हैं। कृपया विस्तार से प्रकाश डालें।

इकाई–III

6. कविराज सूरजमल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

7. राजस्थानी निबन्धकारों ने हिन्दी-राजस्थानी निबन्धों को समृद्ध कर स्थायी गौरव प्रदान किया है। विस्तार से विवेचन करें।

इकाई–IV

8. राजस्थानी लोकगीतों का वर्गीकरण करते हुए विस्तार से प्रकाश डालिए।

9. लोकवार्ता के जीवन-शक्ति एवं क्षेत्र-विस्तार के सम्बन्ध में डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल के विचारों पर प्रकाश डालिए।

इकाई–V

10. राजस्थानी पहेलियों के गठनात्मक स्वरूप का विवेचन करते हुए स्पष्ट कीजिए कि यह विधा बुद्धि-परीक्षण का महत्त्वपूर्ण साधन है।

11. पशु-पक्षी, मानवेत्तर प्राणी, पेड़-पौधे, ऋतु-नक्षत्र आदि सभी प्रकृति के अभिन्न अंग मानव-जीवन को अनेक प्रकार से प्रभावित करते हैं। राजस्थानी साहित्य के सन्दर्भ में विस्तृत विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड-स

इकाई–I

12. सिद्ध कीजिए कि वृन्द कवि द्वारा रचित ग्रन्थ भारतीय साहित्य के वैभव को बढ़ाने वाला है।

इकाई–II

13. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य-प्रवृत्तियों पर विस्तार से प्रकाश डालिए। युगानुरूप प्रवृत्तियों में परिवर्तन के कारणों को भी समझाइए।

इकाई–III

14. आधुनिक राजस्थानी साहित्यिक विधाओं का परिचय देते हुए किसी **एक** पर आलेख लिखिए।

इकाई–IV

15. लोकगाथा क्या है? लोकगाथा की भारतीय परम्परा पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

इकाई–V

16. लोक-नाट्यों की सामान्य प्रवृत्तियों का परिचय देते हुए स्पष्ट कीजिए कि 'ख्याल' लोक-नाट्यों का एक प्रकार विशेष होता है।